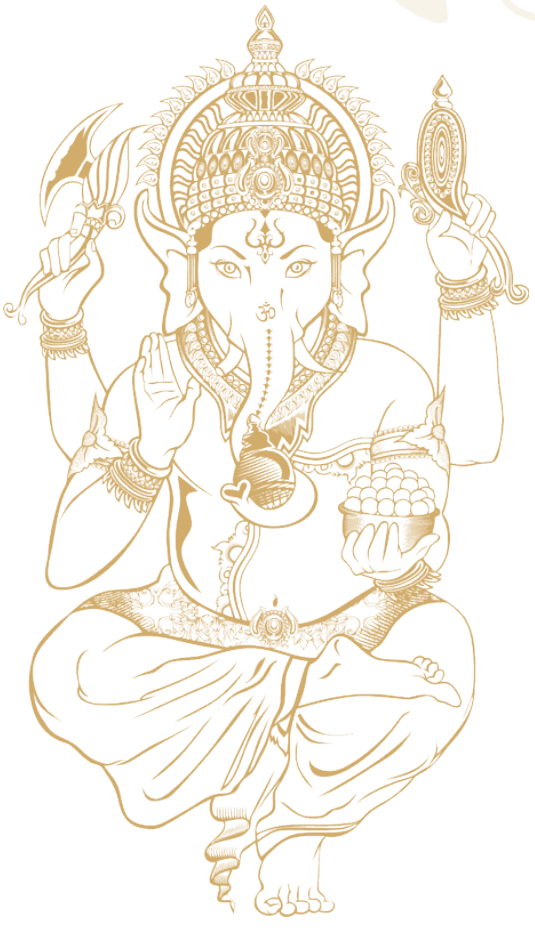

Omprakash

Reya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121886003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/07/2000	जन्म तिथि	19-20/01/1998
गुरुवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 18:05:00	जन्म समय	06:30:00 घंटे
घटी 30:17:52	जन्म समय(घटी)	58:11:37 घटी
India	देश	India
Ratlam	स्थान	Indore
23:18:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:06:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:36	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:57:51	सूर्योदय	07:09:06
19:14:25	सूर्यास्त	18:05:14
23:51:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 1वर्ष 10मा 9दि	23:50:53	धनु	लग्न	धनु	24:56:18	मंगल 4वर्ष 9मा 30दि	
राहु	10:54:38	कर्क	सूर्य	मक	05:55:36	गुरु	
06/06/2009	20:51:20	वृष	चंद्र	कन्या	27:27:40	19/11/2020	
06/06/2027	03:11:55	कर्क	मंगल	कुंभ	01:56:57	19/11/2036	
राहु 17/02/2012	21:12:55	मिथु	बुध	धनु	15:57:20	गुरु 08/01/2023	
गुरु 13/07/2014	11:20:21	वृष	गुरु	कुंभ	02:34:59	शनि 21/07/2025	
शनि 19/05/2017	23:35:10	कर्क	शुक्र व	मक	00:07:43	बुध 27/10/2027	
बुध 06/12/2019	05:13:45	वृष	शनि	मीन	20:46:51	केतु 02/10/2028	
केतु 23/12/2020	00:44:48	कर्क	राहु	सिंह	17:29:44	शुक्र 03/06/2031	
शुक्र 24/12/2023	00:44:48	मक	केतु	कुंभ	17:29:44	सूर्य 21/03/2032	
सूर्य 17/11/2024	25:33:48	मक व	हर्ष	मक	14:21:43	चन्द्र 21/07/2033	
चन्द्र 19/05/2026	11:19:45	मक व	नेप	मक	05:49:38	मंगल 27/06/2034	
मंगल 06/06/2027	16:26:55	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:31:25	राहु 19/11/2036	

लग्न-चलित

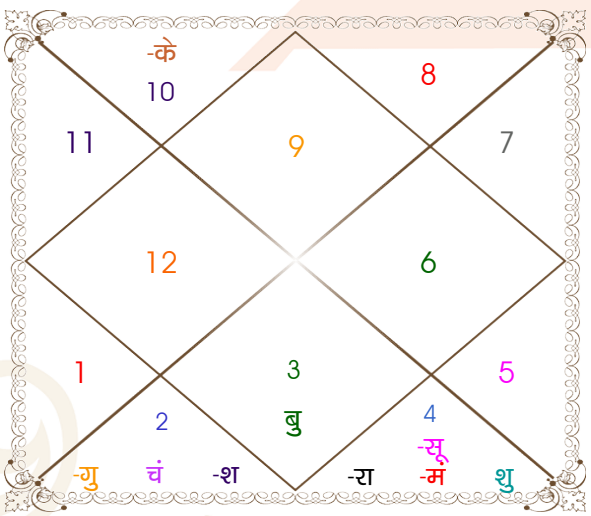

लग्न-चलित

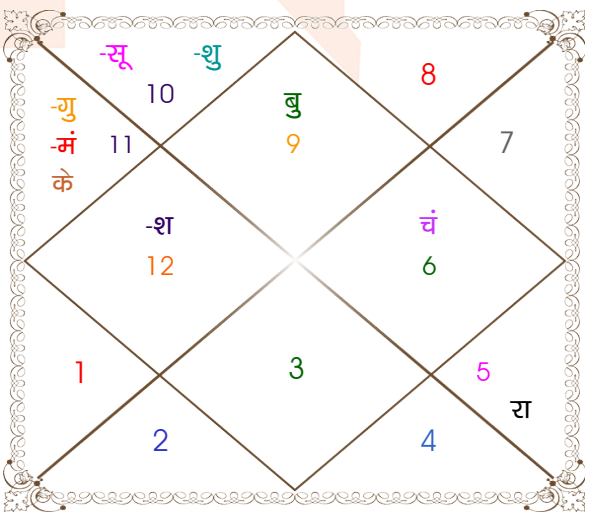

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

व्उचर्ती का वर्ग मृग है तथा त्मलं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार व्उचर्ती और त्मलं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

व्उचर्ती मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल व्उचर्ती कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु व्उचर्ती कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्मलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल त्मलं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

व्उचर्तीी तथा त्मलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।